REPORT OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON RAILWAYS

SHRI ABANI ROY (West Bengal): Sir, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Fifteenth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways on "Ongoing and Pending Projects".

LEAVE OF ABSENCE

MR. CHAIRMAN: I have to inform the Members that the following letter has been received from Shri Ajay Maroo stating that he is unable to attend the House as his father expired on 6th December, 2003, at Ranchi. He has, therefore, requested for the grant of Leave of Absence from 4th December, 2003, till the end of the current (200th) Session of the Rajya Sabha.

Does he have the permission of the House for remaining absent from the sitting of the House from 4th December, 2003, till the end of the current (200th) Session of the Rajya Sabha?

(No hon. Member dissented)

MR. CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

MATTER RAISED WITH THE PERMISSION OF CHAIR

Judgement of Supreme Court of India abrogating thereby the right to strike by employees and workers

SHRI JIBON ROY (West Bengal): Mr. Chairman, Sir, the Prime Minister is here....*(Interruptions)*..I want to put a question. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : नहीं अभी नही। मैंने कहा कि मैं आपको एलाऊ करूंगा। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : It is a question of the right to strike...*(Interruptions)*... It is much more important than corruption. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You have conveyed the message. That is all right .. *(Interruptions)*..

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) : Sir, the issues relating to public interest are raised on the floor of the House...*(Interruptions)*... This is the only place where we can articulate our points...*(Interruptions)*... Sir, this has been a well-established tradition of the House...*(Interruptions)*... We sought your permission in writing...*(Interruptions)*... And at this point of time, ...*(Interruptions)*... सर, यह तो ट्रेडिशन है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैंने आपसे यह कहा है कि मैं कल परमिशन दूंगा। मैंने मना नहीं किया है। ...**(व्यवधान)**... अब स्टेटमेंट है।

श्री नीलोत्पल बसु : यहां पुराने मेम्बर्स बैठे हुए हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : यह आवश्यकता नहीं है कि प्राइम मिनिस्टर आएं तभी सोल्व हो ...**(व्यवधान)**... मैंने आपकी जानकारी के लिए ...**(व्यवधान)**... एक मिनट सुन लीजिए ...**(व्यवधान)**... आप मेरी सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, you can ask the Leader of the House. We are not starting any new tradition...*(Interruptions)*... You can ask the Leaders who are sitting on the Treasury Benches...*(Interruptions)*... It is 12 o'clock. ...*(Interruptions)*... After laying of the papers, we are allowed to speak. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : आप मेरी तरफ देखिए, ...**(व्यवधान)**... अवनि राय जी आपके सामने मैंने बात की है। ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : बस हम यहां पर ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप उठाइए, मैंने मना नहीं किया है ...**(व्यवधान)**... मैंने मना नहीं किया है। यूं नहीं मैं करुंगा। ...**(व्यवधान)**... आप मेरी सुनिए। ...**(व्यवधान)**... मैं आपको परमिशन दूंगा। ...**(व्यवधान)**... आपको आपत्ति क्या हो रही है और आपको जवाब देने के लिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): The Prime Minister should rise to the occasion. ...*(Interruptions)*...

श्री दीपांकर मुखर्जी : प्रधानमंत्री जी हैं ...**(व्यवधान)**... दीए जलाने जाना है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : प्रधानमंत्री इसके लिए नहीं आए हैं। ...**(व्यवधान)**... आपने यह मामला

उठाकर ...**(व्यवधान)**... नहीं-नहीं आप यूं मत करिए। ...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य आपको ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY: The workers of the oil sector are on strike today...*(Interruptions)*... Sir, it is a question of our right.

श्री सभापति : देखिए, आपका राइट है, मैं मना नहीं कर रहा हूं ...**(व्यवधान)**... Please hear me...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु : नई परम्परा है ...**(व्यवधान)**... मेम्बर्स उठाते हैं ...**(व्यवधान)**... आपको चिट्ठी लिखकर हमने नोटिस दिया है।

सभापति जी, बारह बजे ही होता है। पिछले दस साल से यही ट्रेडिशन हमने देखा है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट मैं बोल रहा हूं ...**(व्यवधान)**... कल माननीय सदस्य मेरे पास आए थे, उनके सामने ही मैंने लेबर मिनिस्टर को टेलीफोन किया कि कल यह मामला उठेगा, आप इसका जवाब देने के लिए तैयार होकर आएं, ये तैयार बैठे हैं, ये जवाब देंगे और मैं आपको बुलवाऊंगा ...**(व्यवधान)**... डोंट डिस्टर्ब मी ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, it is not a question of Minister; it is a question of policy of the Government, regarding strike. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : देखिए, आप कीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : इस किस्म का मुद्दा पेपर ले होने के बाद उठता है, यह सदन की परंपरा है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैं मना नहीं कर रहा हूं, मैं अभी भी कह रहा हूं ...**(व्यवधान)**... मैं मना नहीं कर रहा हूं ...**(व्यवधान)**... मैंने कल इनके सामने टेलीफोन करके इनको इत्तिला दी थी ...**(व्यवधान)**... कहा था कि इस क्वेश्चन के ऊपर चर्चा होगी, आप तैयार होकर आइए, ये तैयार होकर आ गए हैं और ज्यों ही प्राइम मिनिस्टर का स्टेटमेंट खत्म होगा, ...**(व्यवधान)**... आप बोलिए मुझे कोई आपत्ति नहीं है ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, ऐसी बात नहीं है ...**(व्यवधान)**... इन मुद्दों को, जो रेग्युलर लिस्टिड बिजनेस है ...**(व्यवधान)**... उस पर प्राथमिकता मिलती है ...**(व्यवधान)**... यह हमेशा होता आया है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैं दे रहा हूं ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, पूछिए ...**(व्यवधान)**... नेता सदन बोलें। इन्होंने कितनी बार उठाया है ...**(व्यवधान)**... हमने इकट्ठा यहां पर टाइम बिताया है, आप सुषमा जी से पूछिए ...**(व्यवधान)**... कि क्या परंपरा है सदन की ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : फिर यह मुश्किल होगी ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: The Prime Minister is here. It is a question of right to strike. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु : हम कोई नई परंपरा कायम नहीं कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**... इनसे पूछिए ...**(व्यवधान)**... यह रेग्युलर बिजनेस ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मेरी सुनिए, देखिए मि. बसु, बैठिए ...**(व्यवधान)**... एक मिनट ...**(व्यवधान)**... देखिए, यह आपका अधिकार है, मैं इसे कब चुनौती दे रहा हूं ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए तो सही ...**(व्यवधान)**... आप एक मिनट बैठिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY: Sir, I represent labour...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : मि. जीवन राय ...**(व्यवधान)**... मैं एक मिनट आपको बता दूं, फिर तो आपस में बातचीत होने का, निर्णय होने का कोई अर्थ ही नहीं है ...**(व्यवधान)**... कल ये सब आए थे, एक नहीं चार-पांच सदस्य आए थे ...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : मैंने भी दिया था।

श्री सभापति : हां, आपने भी दिया था। मैंने सबसे कहा था कि मैं आपको इस पर बोलने का मौका दूंगा, मंत्री महोदय को टेलीफोन कर दिया था कि आप इनसे बातचीत कर लें, बातचीत न करें तो हाउस में तैयार रहें ...**(व्यवधान)**... एक मिनट सुन लीजिए ...**(व्यवधान)**... ये तैयार होकर आ गए, प्राइम मिनिस्टर का इसके बाद में आया कि कल प्राइम मिनिस्टर स्टेटमेंट देंगे ...**(व्यवधान)**... स्टेटमेंट को प्राथमिकता दी जाएगी ...**(व्यवधान)**... मैं आपको विश्वास के साथ कहता हूं कि आप जितना बोलना चाहें बोलें और आपको उसका जवाब मिलेगा ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, हमारा आपके साथ, आपके जो विचार हैं, उनके साथ कोई विरोध नहीं है ...**(व्यवधान)**... मैं केवल एक ही परंपरा की ओर आपका ध्यान खींचना चाहूंगा कि इस किस्म का जो मुद्दा है उसको लिस्टिड बिजनेस में प्राथमिकता मिलती है, इसलिए केवल पांच मिनट में यह मुद्दा निबटा दें, फिर प्रधानमंत्री जी बयान दें ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : वे दे देंगे ...(**व्यवधान**)... हो जाएगा ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, यह होता आया है ...(**व्यवधान**)... लेकिन यह ट्रेडिशन के मुताबिक नहीं हो रहा है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आपको जवाब मिलेगा ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : यह कंवेन्शन के मुताबिक नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मेरी सुनिए ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, कंवेन्शन के चलते ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, पार्लियामेंट कंवेन्शन रूल से बढ़कर है ...(**व्यवधान**)... कंवेन्शन से भी चलता है, यह सालों के, बरसों के ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह कंवेन्शन से ही चलता है लेकिन कल बातचीत हुई है ...(**व्यवधान**)... मैंने कह दिया है ...(**व्यवधान**)... आपस में तय कर लें ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, बातचीत से कोई विरोध नहीं है ...(**व्यवधान**)... मैं तो सिर्फ इतना कह रहा हूं कि आपका जो ऑर्डर है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ऑर्डर नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : जो लिस्टिड बिजनेस है ...(**व्यवधान**)... अगर इस तरह का मुद्दा सामने आता है तो वह लिस्टिड बिजनेस से ऊपर जाता है ...(**व्यवधान**)... यही धर्म है, यही परंपरा है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह परंपरा कल कहां गई थी ...(**व्यवधान**)... ये परंपरा कल भूल गए थे ...(**व्यवधान**)... बाद में एलाऊ कर देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति जी, यह कंवेन्शन है ...(**व्यवधान**)... आप इनकी राय ले लीजिए ...(**व्यवधान**)... लीडर ऑफ दी हाउस की राय ले लीजिए ...(**व्यवधान**)... It is a question of parliamentary right. If there is some special issue, it gets precedence over the Legislative Business.

श्री सभापति : आप बात कर लीजिए ...(**व्यवधान**)... मुझे कोई आपत्ति नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : इन्हें हम लोगों से ज्यादा रूलिंग पता है, ये बता देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिए, आपकी तरफ से सुरेश पचौरी ने भी दिया था, मैंने यही तय किया था कि कल मैं इस क्वेश्चन को लूंगा ...**(व्यवधान)**...

अब आप यह समझते हो कि कंवेंशन यही है, जो आप कहें। ...**(व्यवधान)**...

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : माननीय सभापति जी ...**(व्यवधान)**... एक मिनट, नीलोत्पल जी। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: There is a strike in the whole country? ...*(Interruptions)*...Is it not important? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : इसीलिए मैं चांस दे रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Is that matter more important? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN : That is why I am giving you a chance. **मैंने इसी प्वायंट् के लिए आपको चांस दिया था।** ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANAKAR MUKHERJEE: It is more important than what is listed here. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : माननीय सभापति जी, बार-बार नीलोत्पल जी कह रहे हैं कि संसदीय कार्य मंत्री बैठी हैं, नेता सदन बैठे हैं, लेजिस्लेटिव बिज़नेस के ऊपर इस तरह के विषय को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन इस समय प्रधानमंत्री जी किसी लेजिस्लेटिव बिज़नेस के लिए सदन में नहीं आए हैं, बल्कि प्रधान मंत्री जी विपक्ष के द्वारा मांगी गई चर्चा का उत्तर देने के लिए सदन में आए हैं। ...**(व्यवधान)**... अब मुझे पूरा कर लेने दीजिए। अगर मुझसे पूछा है, तो मुझे पूरा तो कर लेने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... प्लीज़, लिसन टू मी। ...**(व्यवधान)**... Now, please listen to me....*(Interruptions)*...

श्री जीवन राय : पूरे रिकॉर्ड को ...**(व्यवधान)**... कर दिया ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बोलिए ...**(व्यवधान)**... सुनिए तो सही। ...**(व्यवधान)**... बैठिए-बैठिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप ही के नेता ने ...**(व्यवधान)**... जीवन राय जी, कोई बोलने से मना नहीं कर रहा है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY: It is not the House of the People, but it is the ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी ...**(व्यवधान)**... सभापति जी, क्योंकि जीवन राय जी के ...**(व्यवधान)**...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala) : We want to speak about the workers....*(Interruptions)*...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया (झारखंड) : सभापति महोदय ...**(व्यवधान)**... विधान सभा में तो यह सवाल उठा नहीं सकते और यहां ...**(व्यवधान)**... उठाते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : महोदय, पूरे सदन का अपमान किया जा रहा है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : वे पहले अपने शब्द वापिस लें। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN : All these...*(Interruptions)*...words are expunged. The words* should be expunged...*(Interruptions)*...

श्री जीवन राय : सदन से एक्सपैल कर दो। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : बस, अब बात खत्म हो गयी। ...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : एक्सपैल कर दो ...**(व्यवधान)**... किसी की दया पर नहीं हूं। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : जीवन राय जी, कोई किसी की दया से नहीं आया है, सब अपने-अपने हक से आए हैं। किसी की दया पर कोई नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम : ...**(व्यवधान)**...* राज्य सभा का अपमान किया गया है।

श्री सभापति : वह निकाल दिया है। वह निकाल दिया है। बैठ जाइए, बाद में बोल लेंगे। बैठो ...**(व्यवधान)**...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री संजय निरुपम : वह अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगें। ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY : I go by your order...*(Interruptions)*...I do not agree with all this...*(Interruptions)*...I am not being allowed to speak ...*(Interruptions)*...I am quitting the House...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : It is an emotional affair that for the workers we have to request to the industry...*(Interruptions)*...I concede, so far as the hon. Minister is concerned, and so far as debating ability is concerned, we cannot match her. It is the question of emotions of the workers. Today, in the whole country, there is a strike in the petroleum sector. Sir, it is a question of the right to strike ...*(Interruptions)*...That is the question. He is also with me, and he is also with me...(Interruptions)...Sir, this question relates to the Petroleum sector...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : बैठिए, पी0एम0 बोल रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : Sir, the question of the right to strike is there...*(Interruptions)*...The question of right to strike is there. Let him be allowed to speak...*(Interruptions)*...

डा0 अबरार अहमद (राजस्थान) : सर, मेरा पॉइंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री सभापति : कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है, बैठ जाइए। नो पॉइंट ऑफ ऑर्डर।

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : सभापति जी, मुझे खेद है कि एक छोटे से सवाल पर ...**(व्यवधान)**...

श्री दीपांकर मुखर्जी : छोटा सवाल नहीं है, बहुत बड़ा इश्यू है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सदन की गाड़ी अटक कर रह गयी है। सुषमा जी ने कहा कि मुझे बोलना है, इसलिए मुझे प्राथमिकता मिलनी चाहिए, मजदूरों का मामला बाद में लिया जा सकता है। मैं सुषमा जी से कहूंगा कि इस में थोड़ी सी प्राथमिकता बदल दीजिए। पहले मजदूरों का मामला ले लीजिए, फिर बाद में अगर समय हो तो मेरा भी मामला ले लीजिए।

श्री सुरेश पचौरी : महोदय, यह पहली बार है कि सुषमा जी के समर्थन में स्वराज जी खड़े हुए।

श्री स्वराज कौशल (हरियाणा) : महोदय, मैं हाउस के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। मैं आप के सम्मान के लिए खड़ा हुआ हूं।

श्री हंसराज भारद्वाज (मध्य प्रदेश) : आप झेंपते क्यों हो, कहो खड़ा हुआ हूं। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सर, इस का मतलब यह नहीं है कि ...(व्यवधान)... हाउस का अपमान...

SHRI JIBON ROY : He is speaking again, even after the Prime Minister has given his consent ...*(Interruptions)*... If I have spoken something that is wrong, I am sorry ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : हो गया, एक्सपंज कर दिया। चलिए, छोड़िए ...(व्यवधान)... जीवन राय जी, आप कितना टाइम लेंगे?

श्री जीवन राय : चार मिनिट। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : कर दिया, मैं ने एक्सपंज कर दिया। बोलिए, बोलिए। ...(व्यवधान)...

SHRI JIBON ROY : Sir, around five months back, the Supreme Court had passed a stricture on the right to strike and stigmatised it as illegal, unethical and immoral. Some of the immoral Members are incidentally Members of this House. They have raised the issue. As they have said, I have always led the strike and if it is immoral, I am an immoral person and in that sense I raised the issue and wanted to know from the Government that if the employers are liberated, why is the liberty of the labour being taken away? You were kind enough to ask the Government to make a statement in this House. But, till now, no statement has come. In the meantime, most disturbingly, many of the designated courts and the High Court of Jharkhand have imposed a ban on strike...*(Interruptions)*... The Calcutta High Court also restricted it. ...*(Interruptions)*... Ultimately, the right of labour is being withdrawn, abandoned and abrogated.

Today, all over the country, petroleum workers have gone on strike irrespective of affiliation of the unions. Around 1,50,000 workers are on strike against dismantling of the petroleum sector. Now, the question comes as to what decision the Government will take? The thing is that the right to strike is related to defence of democracy. In the State where such a strike is withdrawn, there the Press is raided, we are not allowed to hold conference in the city and we have to go outside, curbing of the right to strike means the withdrawal of democracy...*(Interruptions)*... Therefore, we seek. ...*(Interruptions)*...

DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu) : He is misleading the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI JIBON ROY: I have not named any State. Why are you raising objections? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Complete your speech...*(Interruptions)*...

SHRI JIBON ROY: My first demand is that Government should negotiate with the petroleum workers and settle the issue immediately. The second demand before the hon. Prime Minister is that there is no law under which law the Supreme Court had passed the stricture. If they have passed a stricture, let the Government come out here with a Bill defending the right to strike as a fundamental right. Therefore, you should bring forward a Bill which we will pass.

ONE DAY NATIONAL STRIKE BY THE WORKERS OF PETROLEUM PSUs AGAINST GOVERNMENT POLICY TO DISINVESTMENT AND PRIVATISE THE PSUs IN THE PETROLEUM SECTOR

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : आदरणीय सभापति महोदय, आज लगभग ढाई लाख कर्मचारी जो पूरे देश के ऑयल सैक्टर के हैं, वे स्ट्राइक पर हैं। मेरी स्मरण शक्ति के हिसाब से यह पहला अवसर है, जब ऑयल कंपनियों के सभी एम्पलाइज एक साथ, एकजुटता के साथ सरकार के उस निर्णय के खिलाफ, जो प्रोफिट मैकिंग सैक्टर्स, अंडरटेकिंग्स को डिसइन्वेस्ट करने संबंधी है, उसके विरुद्ध हड़ताल पर हैं। इस संबंध में मेरा आपके जरिए सरकार से यह अनुरोध है कि पहली बात यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हड़ताल पर प्रतिबंध नहीं लगना चाहिए। यह अधिकार कर्मचारियों को मिलना चाहिए कि वे अपनी बात, अपने अधिकार की बात स्वतंत्रता से, बेबाक तरीके से कह सकें, उसे रख सकें।

महोदय, माननीय मंत्री जी ने यद्यपि एम्पलाइज से स्ट्राइक विदड्रा करने के लिए अपील तो की है, लेकिन यह पहली बार ऐसी अपील है जो निरर्थक साबित हुई है, बेअसर साबित हुई है। उसका मूल कारण यह है कि यह अपील बगैर किसी ऑफर के, बगैर किसी एशोरेंस के की गई है और जो अपील बगैर किसी ऑफर के तथा बगैर किसी एशोरेंस के जारी की जाती है वह अपील बेअसर हो जाया करती है। इसलिए मेरा आपके जरिए सरकार से अनुरोध है, यह सौभाग्य की बात है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी इस वक्त यहां मौजूद हैं, यह संयोग की बात है, तो वे इस संबंध में दखलंदाजी करेंगे, इस संबंध में एक सार्थक पहल करेंगे। जब मैं सार्थक पहल की बात कर रहा हूँ तो मेरा मतलब है ऐसी पहल, जिसके सुपरिणाम